13. निम्न में प्रेरणार्थक क्रिया का उदाहरण है
(a) राजू पंखा चला रहा है
(b) उसने मुझसे पत्र लिखवाया
(c) वह गाना गाकर खुश हो गया
(d) उसी से अनुमति माँग लो

14. "अलाउद्दीन ने धोखे से अपने पिता से सत्ता हथिया ली" वाक्य में कैसी क्रिया प्रयुक्त हुई है?
(a) पूर्वकालिक (b) नामधातु
(c) प्रेरणार्थक (d) संयुक्त

15. 'रवि गीता को पढ़ाकर स्कूल चला गया' वाक्य में रेखांकित अंश है
(a) नामधातु (b) प्रेरणार्थक
(c) पूर्वकालिक (d) संयुक्त

16. क्रिया के रूप परिवर्तन के मुख्यत: कितने आधार हैं?
(a) छः (b) सात
(c) आठ (d) नौ

17. क्रिया के किस रूप में कर्ता की प्रधानता होती है?
(a) कर्तृवाच्य (b) कर्मवाच्य
(c) भाववाच्य (d) इनमें से कोई नहीं

18. वाच्य मुख्यत: कितने प्रकार के होते हैं।
(a) दो (b) तीन
(c) चार (d) पाँच

19. क्रिया के किस रूप में कर्म की प्रधानता होती है?
(a) कर्तृवाच्य (b) कर्मवाच्य
(c) भाववाच्य (d) इनमें से कोई नहीं

20. क्रिया के किस रूप में भाव की प्रधानता होती है?
(a) कर्तृवाच्य (b) कर्मवाच्य
(c) भाववाच्य (d) इनमें से कोई नहीं

निर्देश (प्र.सं. 21-25) *निम्नलिखित वाक्यों में कौन-सा वाच्य है चयन कीजिए।*

21. राम द्वारा पत्र पढ़ा जाता है।
(a) कर्तृवाच्य (b) कर्मवाच्य
(c) भाववाच्य (d) इनमें से कोई नहीं

22. रघु गीत गाता है
(a) कर्तृवाच्य (b) कर्मवाच्य
(c) भाववाच्य (d) इनमें से कोई नहीं

23. अब और चला नहीं जाता
(a) कर्तृवाच्य (b) कर्मवाच्य
(c) भाववाच्य (d) इनमें से कोई नहीं

24. पक्षियों को उड़ा दिया गया।
(a) कर्तृवाच्य (b) कर्मवाच्य
(c) भाववाच्य (d) इनमें से कोई नहीं

25. मुझसे ज्यादा पढ़ा नहीं जाएगा
(a) कर्तृवाच्य (b) कर्मवाच्य
(c) भाववाच्य (d) इनमें से कोई नहीं

26. इनमें से किस वाक्य में आज्ञार्थ वृत्ति हैं?
(a) रवि खेलता है।
(b) शायद वह दीना है।
(c) काश ! मैं लेखक होता।
(d) रवि, यहाँ आओ।

27. 'कदाचित् आज आप यहीं ठहरेंगे' वाक्य में कौन-सी वृत्ति है?
(a) आज्ञार्थ
(b) निश्चयार्थ
(c) सम्भावनार्थ
(d) सन्देहार्थ

28. निम्न में इच्छार्थ वृत्ति का वाक्य है?
(a) आप हमेशा स्वस्थ रहे।
(b) उसने पतंग पकड़ ली होगी
(c) शायद रीना घर है
(d) मोहन जाओ

29. "सुहानी आज होटल में ठहरी होगी" में कौन-सी वृत्ति है?
(a) इच्छार्थ (b) सम्भावनार्थ
(c) आज्ञार्थ (d) सन्देहार्थ

30. "यदि महिमा मेरी बात मानती, तो उसे ये दिन न देखने पड़ते" वाक्य में कौन-सी वृत्ति है?
(a) संकेतार्थ (b) सन्देहार्थ
(c) सम्भावनार्थ (d) इच्छार्थ

उत्तरमाला

1.	(c)	**2.**	(a)	**3.**	(b)	**4.**	(a)	**5.**	(b)	**6.**	(b)	**7.**	(c)	**8.**	(c)	**9.**	(d)	**10.**	(b)
11.	(c)	**12.**	(d)	**13.**	(b)	**14.**	(b)	**15.**	(c)	**16.**	(a)	**17.**	(a)	**18.**	(b)	**19.**	(b)	**20.**	(c)
21.	(b)	**22.**	(a)	**23.**	(c)	**24.**	(b)	**25.**	(c)	**26.**	(d)	**27.**	(c)	**28.**	(a)	**29.**	(d)	**30.**	(a)

अध्याय 5

विशेषण

विशेषण

संज्ञा और सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द, 'विशेषण' कहलाते हैं तथा जिस शब्द की विशेषता बताई जाती है, उसे 'विशेष्य' कहते हैं; जैसे–

- यह फूल पीला है।
- वह लड़का बुद्धिमान है।

उपर्युक्त उदाहरणों में 'पीला' व 'बुद्धिमान' विशेषण हैं और 'फूल' व 'लड़का' विशेष्य हैं।

विशेषण की भी विशेषता बताने वाले शब्द 'प्रविशेषण' कहलाते हैं; जैसे–'रामू बहुत बुद्धिमान है वाक्य में 'बुद्धिमान' विशेषण है तथा 'बहुत' प्रविशेषण।

विशेषण के प्रकार

विशेषण चार प्रकार के होते हैं

1. गुणवाचक विशेषण

जिन शब्दों से किसी संज्ञा या सर्वनाम के गुण, दिशा, दोष, रंग, काल, दशा, आकार, स्थान आदि का पता चलता है, वे गुणवाचक विशेषण कहलाते हैं; जैसे–सुन्दर गाय, कुरूप व्यक्ति, नीला आकाश, नया जूता, स्वस्थ मन आदि।

2. संख्यावाचक विशेषण

जिस विशेषण से संख्या का बोध होता है, उसे संख्यावाचक विशेषण कहते हैं; जैसे—तीसरा नेत्र, पाँचवाँ कलम, दुगुने आम, प्रत्येक स्त्री आदि।

3. परिमाणवाचक विशेषण

जिस विशेषण से नाप-तोल आदि का पता चलता है, उसे परिमाणवाचक विशेषण कहते हैं; जैसे—पाँच किलो आम, ढाई मीटर कपड़ा, जरा-सा दूध, बहुत-सा पैसा, कुछ व्यक्ति आदि।

4. संकेतवाचक विशेषण (सार्वनामिक विशेषण)

जो विशेषण संज्ञा की ओर संकेत करे, वे संकेतवाचक विशेषण कहलाते हैं। इन्हें सार्वनामिक विशेषण भी कहते हैं; जैसे—यह घर, वह आदमी, यह बाग, वह लड़की आदि।

परिमाणवाचक और संख्यावाचक विशेषण में अन्तर

इन दोनों में एक जैसे शब्दों का प्रयोग होने के कारण ये एक जैसे लगते हैं, परन्तु इनमें अन्तर होता है, जिसे निम्न उदाहरणों से समझा जा सकता है

परिमाणवाचक कुछ दूध, थोड़ा पानी, बहुत धन, सब धन, अधिक धन

संख्यावाचक कुछ पुस्तकें, थोड़े आम, बहुत हीरे, सब रुपये, अधिक लोग

विशेषण शब्दों की रचना

- *संज्ञा शब्दों से बने कुछ विशेषण निम्न हैं*

संज्ञा	विशेषण	संज्ञा	विशेषण
ग्राम	ग्रामीण	भूगोल	भौगोलिक
नगर	नगरीय	कल्पना	काल्पनिक
उदास	उदासी	दिन	दैनिक
विलास	विलासी	सप्ताह	साप्ताहिक

- *सर्वनाम शब्दों से बने कुछ विशेषण निम्न हैं*

सर्वनाम	विशेषण	सर्वनाम	विशेषण
यह	ऐसा	तुम	तुमसा
वह	वैसा	कौन	कैसा

- *क्रिया शब्दों से बने कुछ विशेषण निम्न हैं*

क्रिया	विशेषण	क्रिया	विशेषण
बनना	बनावटी	टिकना	टिकाऊ
पढ़ना	पढ़ाकू	लड़ना	लड़ाकू
घूमना	घुमक्कड़	गाना	गायक

- *अव्यय या अविकारी शब्दों से बने कुछ विशेषण निम्न हैं*

अव्यय	विशेषण	अव्यय	विशेषण
नीचे	निचला	बाहर	बाहरी
ऊपर	ऊपरी	भीतर	भीतरी
आगे	अगला	पीछे	पिछला

✓ अभ्यास के लिए प्रश्न

1. संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द कहलाते हैं
(a) विशेष्य (b) क्रिया विशेषण
(c) प्रविशेषण (d) विशेषण

2. मुख्यत: विशेषण के भेद होते हैं
(a) चार (b) पाँच
(c) छः (d) सात

3. निम्न में विशेषण है
(a) अधिकार (b) अधिकारी
(c) अधिकारिक (d) इनमें से कोई नहीं

4. 'परलोक' का विशेषण है
(a) परलोक (b) पारलौकिक
(c) परलोकी (d) इनमें से कोई नहीं

5. निम्न में गुणवाचक विशेषण है
(a) सात (b) स्वच्छ
(c) कुछ (d) यह

6. निम्न में संख्यावाचक विशेषण है
(a) चौथा (b) कुछ
(c) चार लीटर (d) पाँच किमी

7. निम्न में सार्वनामिक विशेषण है
(a) लाल (b) कुछ
(c) कोई (d) यह

निर्देश (प्र.सं. 8-13) *में दिए गए शब्दों के लिए उचित विशेषण का चयन कीजिए*

8. देह
(a) देही (b) देहो
(c) दैहिक (d) दैह

9. देव
(a) देवी (b) देवा
(c) दैविक (d) दैवी

10. भूमि
(a) भूमिधक (b) भौमिक
(c) भूमिक (d) भौग्य

11. समाज
(a) सामाजिक (b) समाजी
(c) समाजिक (d) इनमें से कोई नहीं

12. विधान
(a) विधानिक (b) विधानीय
(c) वैधान (d) वैधानिक

13. संकेत
(a) संकेतन (b) संकेतीय
(c) संकेतक (d) सांकेतिक

14. 'वह बहुत दयालु राजा था' वाक्य में प्रविशेषण है
(a) दयालु (b) राजा (c) बहुत (d) वह

15. 'भला दैवीय आपदाओं से कैसे बच सकते हैं'? वाक्य में विशेष्य है
(a) आपदाओं (b) भला
(c) दैवीय (d) इनमें से कोई नहीं

16. 'राज्य' का विशेषण है
(a) राज (b) राजा
(c) राज्यीय (d) इनमें से कोई नहीं

17. 'धर्म' का विशेषण है
(a) धर्मा (b) धार्मिक
(c) धामिक (d) इनमें से कोई नहीं

18. 'यह' सर्वनाम का विशेषण है
(a) यही (b) यसा
(c) एसा (d) ऐसा

19. 'पूजना' का विशेषण है
(a) पूज (b) पूज्यनीय
(c) पूजनीय (d) पूजा

20. निम्न में विशेष्य है
(a) लौकिक (b) देशीय
(c) लोक (d) राज्यीय

21. निम्न में विशेष्य है
(a) पसिन (b) कमसिन
(c) सुन्दर (d) सुन्दरी

22. निम्न में प्रविशेषण है
(a) दैनिक (b) दीन
(c) काफी (d) मरणशील

23. निम्न में विशेषण है
(a) भागना (b) भगोड़ा
(c) भागा (d) भगा

उत्तरमाला

1.	(d)	**2.**	(a)	**3.**	(c)	**4.**	(b)	**5.**	(b)	**6.**	(a)	**7.**	(d)	**8.**	(c)	**9.**	(c)	**10.**	(b)
11.	(a)	**12.**	(d)	**13.**	(d)	**14.**	(c)	**15.**	(a)	**16.**	(c)	**17.**	(b)	**18.**	(d)	**19.**	(c)	**20.**	(c)
21.	(d)	**22.**	(c)	**23.**	(b)														

अध्याय 6

सन्धि

दो वर्णों के मेल से उत्पन्न होने वाले परिवर्तन को **सन्धि** कहते हैं। सन्धि में दो शब्द या पद एक-दूसरे से जुड़कर एक नए शब्द का निर्माण करते हैं। पहले शब्द का अन्तिम वर्ण दूसरे शब्द के प्रथम वर्ण से मिलकर विकार उत्पन्न करते हैं। यह विकारजन्य सम्पर्क ही 'सन्धि' है। सन्धि को समझकर वर्णों को पृथक् करना, जिससे वे मूल रूप में आ जाएँ, 'सन्धि-विच्छेद' कहलाता है।

वर्णों के आधार पर सन्धि तीन प्रकार की होती हैं–

1. स्वर सन्धि

दो स्वरों के मिलने से जो विकार या रूप-परिवर्तन होता है, उसे स्वर सन्धि कहते हैं। दो स्वर आपस में मिलकर एक अन्य स्वर का निर्माण करते हैं तथा आपस में जुड़े शब्दों से एक तीसरे अर्थपूर्ण शब्द की उत्पत्ति करते हैं। स्वर सन्धि में स्वरों का आपसी मेल होता है।

स्वर सन्धि के पाँच होते भेद हैं–

(i) **दीर्घ स्वर सन्धि** दो सजातीय अथवा सवर्ण स्वर (जैसे—अ, आ आदि) मिलकर दीर्घ स्वर के रूप में परिवर्तित होते हैं। ऐसी सन्धि को दीर्घ स्वर सन्धि कहते हैं। यदि अ, आ, इ, ई, उ, ऊ तथा ऋ के बाद ही ह्रस्व या दीर्घ स्वर जुड़ता है, तो दोनों मिलकर आ, ई, ऊ तथा ऋ के रूप में सामने आते हैं।

उदाहरण

अन्न	+	अभाव	=	अन्नाभाव	(अ + अ = आ)
देव	+	आलय	=	देवालय	(अ + आ = आ)
विद्या	+	अर्थी	=	विद्यार्थी	(आ + अ = आ)
विद्या	+	आलय	=	विद्यालय	(आ + आ = आ)
रवि	+	इन्द्र	=	रवीन्द्र	(इ + इ = ई)
हरि	+	ईश	=	हरीश	(इ + ई = ई)
रजनी	+	ईश	=	रजनीश	(ई + ई = ई)
भानु	+	उदय	=	भानूदय	(उ + उ = ऊ)
स्वयंभू	+	उदय	=	स्वयंभूदय	(ऊ + उ = ऊ)
पितृ	+	ऋण	=	पितृण	(ऋ + ऋ = ऋ)

(ii) **गुण स्वर सन्धि** यदि अ, आ के बाद इ, ई आए तो ए, उ, ऊ आए तो ओ तथा ऋ आए तो 'अर्' हो जाता है।

उदाहरण

सुर	+	इन्द्र	=	सुरेन्द्र	(अ + इ = ए)
देव	+	ईश	=	देवेश	(अ + ई = ए)
रमा	+	इन्द्र	=	रमेन्द्र	(आ + इ = ए)
सूर्य	+	उदय	=	सूर्योदय	(अ + उ = ए)
समुद्र	+	ऊर्मि	=	समुद्रोर्मि	(अ + उ = ओ)
महा	+	उदय	=	महोदय	(आ + उ = ओ)
गंगा	+	ऊर्मि	=	गंगोर्मि	(आ + ऊ = ओ)
देव	+	ऋषि	=	देवर्षि	(अ + ऋ = अर्)
महा	+	ऋषि	=	महर्षि	(आ + ऋ = अर्)

(iii) **वृद्धि स्वर सन्धि** अ या आ के बाद ए या ऐ हो, तो दोनों मिलकर ऐ, ओ या औ हो तो दोनों मिलकर औ हो जाता है। स्वर वर्ण के इस विकार को 'वृद्धि स्वर' सन्धि कहते हैं।

उदाहरण

एक	+	एक	=	एकैक	(अ + ए = ऐ)
मत	+	ऐक्य	=	मतैक्य	(अ + ऐ = ऐ)
सदा	+	एव	=	सदैव	(आ + ए = ऐ)
शिवा	+	ऐश्वर्य	=	शिवैश्वर्य	(आ + ए = ऐ)
परम	+	ओजस्वी	=	परमौजस्वी	(अ + ओ = औ)
परम	+	औषध	=	परमौषध	(अ + औ = औ)

(iv) **यण् स्वर सन्धि** इ, ई, उ, ऊ तथा ऋ के बाद यदि कोई भिन्न तथा विजातीय स्वर आता है तो इ, ई, का 'य्', उ, ऊ का 'व्' तथा 'ऋ' की जगह 'र्' हो जाता है। स्वर वर्ण के इस विकार को यण् स्वर सन्धि कहते हैं।

उदाहरण

यदि	+	अपि	=	यद्यपि	(इ + अ = य्)
इति	+	आदि	=	इत्यादि	(इ + आ = य्)